



दैनिक बुद्ध का संदेश

हिन्दी समाचार पत्र

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महाराजगंज, रामपुर, रायबरेली, में एक साथ प्रसारित ।

9415163471, 9453824459 Dainik Budh ka sandesh @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com

शांति ही समाधान, तेल-गैस का इंतजाम, युद्ध पर मोदी की चेतावनी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चेतावनी दी कि पश्चिम एशिया में



जारी संकट ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को हिलाकर रख दिया है और इससे उबरने में लंबा समय लग सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि लंबे समय तक चलने वाला यह संघर्ष विश्व स्तर पर गंभीर परिणाम उत्पन्न कर

सकता है। मंगलवार को राज्यसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि तीन सप्ताह से अधिक समय से चल रहे इस युद्ध ने पहले ही एक बड़ा ऊर्जा संकट पैदा कर दिया है और प्रमुख व्यापार मार्गों को बाधित कर दिया है। उन्होंने कहा कि इस युद्ध ने विश्व में ईंधन की गंभीर समस्या पैदा कर दी है। भारत के लिए भी यह स्थिति चिंताजनक है। युद्ध ने हमारे व्यापार मार्गों को प्रभावित किया है। इसके चलते पेट्रोल, डीजल, गैस और उर्वरकों की नियमित आपूर्ति प्रभावित हुई है।

दीर्घकालिक प्रभाव की चेतावनी

प्रधानमंत्री मोदी ने आगाह किया कि संघर्ष के प्रभाव दीर्घकालिक हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि इस युद्ध का प्रतिकूल प्रभाव लंबे समय तक बना रहने की संभावना है," साथ ही उन्होंने नागरिकों को आश्वासन दिया कि सरकार राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए "सतर्क, तैयार और पूरी गंभीरता से काम कर रही है।

राज्यों से कार्रवाई का आह्वान, कमी से बचाव

प्रधानमंत्री ने राज्यों से आवश्यक वस्तुओं की कालाबाजारी और जमाखोरी के खिलाफ तेजी से कार्रवाई करने और गरीबों और प्रवासी श्रमिकों के लिए सक्रिय कदम उठाने का आग्रह किया। उन्होंने कोविड काल के दौरान समन्वित प्रतिक्रिया को याद करते हुए वर्तमान संकट में भी इसी तरह के "टीम इंडिया" दृष्टिकोण का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आवश्यक वस्तुओं की सुचारु आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए जल्द से जल्द सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए।

राष्ट्रभक्ति सिर्फ नारों से नहीं बल्कि कर्तव्यों के निर्वहन से होती है: सीएम योगी

लखनऊ। गुरु गोरखनाथ

सेवा न्यास और नेशनल मेडिकोज आर्गनाइजेशन के तत्वाधान में हुई गुरु गोरखनाथ स्वास्थ्य यात्रा 6. 0 के समापन पर मंगलवार को कार्यकर्ता सम्मान समारोह में मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रभक्ति सिर्फ नारों से नहीं बल्कि अपने कर्तव्यों को निष्ठापूर्वक निभाने से तय होती है। चिकित्सकों से आह्वान किया कि वो ओपीडी को सीमित न करें क्योंकि फील्ड में जाने पर पता



की जियोग्राफी और क्लाइमेट से तय होती है। आज गोरखनाथ स्वास्थ्य यात्रा और एनएमओ के प्रति इन सात जिलों में जागरूकता बढ़ी है। चिकित्सकों

से माह के एक रविवार को सेवा कार्य के लिए समय निकालने की अपील की। स्वास्थ्य यात्रा अपने सीमित संसाधनों में 23 हजार मरीजों के स्वास्थ्य परीक्षण से शुरू होकर आज 2 लाख 66 हजार लोगों तक पहुंच गई है। मुख्य अतिथि योगी ने कहा कि भारत-नेपाल की मैत्री को प्रगाढ़ करने और छह वर्षों से सुदूर क्षेत्रों में जाकर समाज को जोड़ने का काम करने वाले सभी संगठनों व स्वयंसेवी संगठन के सदस्यों का अभिनन्दन है।

ट्रंप के दावे के बाद ईरान के दो गैस ठिकानों पर हमला

जवाब में ईरान ने तेल अवीव में गिराई 100 किलो विस्फोटक मिसाइल

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ईरान के साथ बातचीत के दावों के विपरीत पश्चिम एशिया का घमासान मंगलवार को पूरी ताकत के साथ जारी रहा। इजरायल ने ईरान के 50 से अधिक सैन्य ठिकानों और उत्पादन केंद्रों पर रातभर बमबारी की। लेबनान में राजधानी बेरुत के दक्षिण में भी ताबड़तोड़ हमले हुए। वहीं, ट्रंप द्वारा पांच दिनों तक ईरान के ऊर्जा केंद्रों पर हमले न करने के आदेशों की धड़ियां उड़ते हुए ईरान के दो ऊर्जा केंद्रों पर हमले किए गए। जवाब में ईरान ने इजरायल समेत पश्चिम एशिया के सभी ठिकानों पर मिसाइलों और ड्रोन से हमलों की बारिश कर दी। ईरान की



केंद्रीय शहर पर गिरी। इस पर 100 किलो वजन का विस्फोटक लगा हुआ था। वहीं इराक के कुर्दिस्तान में छह मिसाइल हमले हुए, जिसमें छह कुर्द लड़ाके मारे गए, जबकि 30 घायल हो गए। ट्रंप की तरफ से ईरान से बातचीत की पहल के बाद

पाकिस्तान ने ईरान को बातचीत में मिलाया कि मंगलवार को इस्फ़हान प्रांत में प्राकृतिक गैस ढांचे और खोर्सहशर बिजली संयंत्र को जानेवाली गैस पाइपलाइन पर हमले हुए। न तो इजरायल और न अमेरिका ने ही इन हमलों की जिम्मेदारी ली। न्यूयार्क टाइम्स के अनुसार, ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम को तबाह करने के अमेरिकी और इजरायली अधिकारियों के दावे के उलट ईरान की तरफ से मिसाइल हमलों की तीव्रता बढ़ती जा रही है। मंगलवार को ईरान के मिसाइल हमले के बाद इजरायली सेना के कर्नल मिकी डेविड ने कहा कि अब तक के युद्ध के दौरान हमने ईरान का ऐसा हमला नहीं देखा था। हमले में चार लोग गंभीर रूप से घायल बताए गए हैं।

दिल्ली का हरित बजट पेश, सीएम रेखा गुप्ता बोलीं- कूड़े के पहाड़ होंगे खत्म,लगेंगे 35 लाख पौधे, खर्च होंगे 22,236 करोड़

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को 2026-27 के बजट को हरित बजट बताते हुए सतत विकास और स्वच्छ पर्यावरण के लिए सरकार के प्रयासों पर प्रकाश डाला। इस पहल के लिए पूरे बजट का 21 प्रतिशत आवंटित किया गया है। बजट के अनुसार, कुल परिव्यय का 21.44 प्रतिशत यानी 22,236 करोड़ रुपये हरित विकास पहल के लिए आवंटित किए गए हैं। पर्यावरण और वन क्षेत्रों के लिए 822 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जो पिछले वित्त वर्ष के 505 करोड़ रुपये से 62.7 प्रतिशत अधिक है। मुख्यमंत्री ने कहा, "सरकार शहरी वनों, पार्कों और हरित क्षेत्रों के विकास के माध्यम से राजधानी का हरित दिल्ली का दर्जा बहाल करने के लिए प्रतिबद्ध है। हम दिल्ली पार्क एंड गार्डन सोसायटी के लिए अलग



से 25 करोड़ रुपये आवंटित कर रहे हैं।" गुप्ता ने कहा कि अगले चार साल में दिल्ली में पीपल, आम और नीम जैसे 35 लाख स्वदेशी पौधे लगाए जाएंगे और नए वन क्षेत्रों का भी विकास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि वन विकास के लिए 130 करोड़ रुपये और वन्यजीव संरक्षण के लिए 44 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। गुप्ता ने कहा कि सरकार प्रदूषण नियंत्रण

और आपातकालीन उपायों के लिए 300 करोड़ रुपये की योजना शुरू कर रही है, जिसमें यांत्रिक स्वीपर, एटी-स्मॉग गन और वॉटर स्पिंकलर शामिल होंगे। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) को प्रदूषण से निपटने के लिए विशेष रूप से 204 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया गया है। वित्त विभाग का प्रभार भी संभाल रही गुप्ता ने यह भी कहा कि सरकार विश्व बैंक के सहयोग से उन्नत तकनीकी समाधान और निगरानी प्रणालियों को लागू करने की दिशा में सक्रिय रूप से काम कर रही है। निगरानी प्रणालियों (एकीकृत कमान और नियंत्रण केंद्र-आईसीसीसी), युद्धकक्ष संचालन, मोबाइल ऐप और वास्तविक समय में ट्रैकिंग के लिए अतिरिक्त दो करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।

भूमि-बदले-नौकरी मामले में लालू यादव को दिल्ली उच्च न्यायालय से बड़ा झटका, एफआईआर करने की याचिका खारिज

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने मंगलवार को लालू प्रसाद यादव की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें कथित भूमि-बदले-नौकरी मामले में सीबीआई की एफआईआर को रद्द करने की मांग की गई थी। इससे आरजेडी प्रमुख और पूर्व रेल मंत्री को झटका लगा है। सुनवाई के दौरान, अदालत ने याचिका को सारहीन और निराधार बताते हुए केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई)

द्वारा दर्ज एफआईआर को रद्द करने के अनुरोध को खारिज कर दिया। यह मामला यादव के रेल मंत्री रहते हुए रेलवे में नौकरी दिलाने के बदले जमीन के टुकड़े लेने के आरोपों से संबंधित है। सीबीआई इस मामले की जांच कर रही है, जिसमें कई आरोपी शामिल हैं और भर्ती में अनियमितताओं का आरोप है। उच्च न्यायालय के इस फैसले से यादव को कोई राहत नहीं मिली है और मामले की

जांच जारी रहेगी। यादव की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिबल ने दलील दी कि कथित कृत्य उनके रेल मंत्री रहते हुए किए गए थे और इसलिए ये उनके आधिकारिक कर्तव्यों के दायरे में आते हैं। उन्होंने तर्क दिया कि ऐसे मामलों में किसी भी जांच या छानबीन शुरू करने से पहले पूर्व स्वीकृति अनिवार्य है। इस दलील का विरोध करते



हुए, सीबीआई की ओर से पेश हुए अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस.वी. राजू ने तर्क दिया कि

ऐसी किसी स्वीकृति की आवश्यकता नहीं थी। उन्होंने तर्क दिया कि नियुक्तियों से संबंधित निर्णय महाप्रबंधकों द्वारा लिए जाते हैं, न कि सीधे मंत्री द्वारा, और इसलिए धारा 17ए के तहत संरक्षण लागू नहीं होगा। अदालत ने इससे पहले दोनों पक्षों की विस्तृत दलीलें सुनीं और फैसला सुनाने से पहले लिखित दलीलें दाखिल करने

के लिए समय भी दिया था। यह मामला यादव के रेल मंत्री के रूप में 2004 से 2009 के बीच के कार्यकाल के दौरान मध्य प्रदेश के जबलपुर स्थित भारतीय रेलवे के पश्चिम मध्य जोन में ग्रुप डी पदों पर कथित अनियमित नियुक्तियों से संबंधित है। सीबीआई ने आरोप लगाया है कि यादव के परिवार के सदस्यों या सहयोगियों के नाम पर हस्तांतरित भूमि पार्सल के बदले में नौकरियां दी गईं।

मल्लिका शेरावत की धमाकेदार वाप...8

बलरामपुर

बुधवार , 25 मार्च 2026

वर्ष: 05 अंक : 172 पृष्ठ: 8

आमंत्रण मूल्य 2/-रुपया

एक विश्वास...

सम्पादक : राजेश शर्मा

अमेरिका से वार्ता को माने मोजतबा खामेनेई! जल्द खत्म होगी जंग

अरब न्यूज ने इजरायली मीडिया आउटलेट येदियोथ अहरोनोथ के हवाले से बताया है कि ईरान के नए सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई अमेरिका के साथ बातचीत करने और एक समझौते पर पहुंचने के लिए सहमत हो गए हैं, जिससे मौजूदा संघर्ष के बीच एक संभावित राजनयिक संबंध खुलने का संकेत मिलता है। अहरोनोथ ने ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची और अमेरिकी मध्यस्थ स्टीव वित्कोफ के बीच हुई बातचीत का हवाला दिया, जिसे ईरान के उच्च स्तरीय अधिकारियों ने मंजूरी दी थी। इससे पहले, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के बीच महत्वपूर्ण वैश्विक जल परिवहन मार्ग हेर्मुज जलडमरूमध्य बहुत जल्द खुल जाएगा। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि वे इसे अमेरिका और ईरान द्वारा संयुक्त रूप से प्रबंधित किए जाने की कल्पना करते हैं।

राहुल पर गिरिराज सिंह का अबोध बालक वाला तंज, बोले- देश की एकमात्र समस्या

पटना। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने 24 मार्च को विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर तीखा राजनीतिक हमला करते हुए उन्हें अबोध बालक बताया और उन पर कोविड-19 महामारी के दौरान भ्रम फैलाने का आरोप लगाया। पत्रकारों से बात करते हुए गिरिराज सिंह ने कहा कि राहुल गांधी एक अबोध बालक हैं। वे एक नासमझ बच्चे की तरह हैं। मैंने जिक्र किया था कि कोविड काल में भी उनकी गतिविधियां देश में भ्रम फैलाने और लोगों को भड़काने से जुड़ी थीं। आज भारत के नेतृत्व और जनता को नरेंद्र मोदी के नेतृत्व पर पूरा भरोसा है। गिरिराज सिंह ने कहा कि हमने कोविड-19 के खिलाफ सफलतापूर्वक लड़ाई लड़ी है। इस देश में अभी तक ईंधन की कीमतें नहीं बढ़ी हैं। मैंने देखा कि हिमाचल प्रदेश सरकार ने ईंधन की कीमतें बढ़ा दी हैं। अब राहुल गांधी की आवाज कहां है? वे दूसरी जगहों पर इस बारे में शोर मचाते रहते हैं यह क्या चलता है कि वे असाध्यग्रस्त हैं। राउत ने आगे कहा कि मोदी जी ने अपना आपा खो दिया है और ऐसा लगता है कि वे ज्यादा समय तक सत्ता में नहीं रहना चाहते। मोदी खुद ही सत्ता छोड़ देंगे। कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा मोदी के 25 मिनट के भाषण पर की गई टिप्पणी के संदर्भ में राउत ने कहा कि इस गंभीर संकट के समय भाषण में अपेक्षित स्पष्टता नहीं दी गई। उन्होंने जोर दिया कि स्थिति की गंभीरता को देखते हुए बहस होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि आपने खुद कहा कि कोरोना का दौरान जैसी स्थिति थी, वैसी फिर से लौट सकती है।

पश्चिम एशिया पर पीएम मोदी के भाषण से विपक्ष नाकुश, संजय राउत बोले- प्रधानमंत्री हताश दिख रहे थे

शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने 24 मार्च को पश्चिम एशिया संघर्ष के संबंध में लोकसभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भाषण की आलोचना करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नियंत्रण खो चुके और निराश प्रतीत हो रहे थे। एएनआई से बात करते हुए राउत ने कहा कि मोदी युद्ध शुरू होने के 25 दिन बाद सदन में आए और उनकी बाँड़ी लँग्वेज, हाव-भाव और भाषण को देखकर साफ पता चलता है कि वे असाध्यग्रस्त हैं। राउत ने आगे कहा कि मोदी जी ने अपना आपा खो दिया है और ऐसा लगता है कि वे ज्यादा समय तक सत्ता में नहीं रहना चाहते। मोदी खुद ही सत्ता छोड़ देंगे। कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा मोदी के 25 मिनट के भाषण पर की गई टिप्पणी के संदर्भ में राउत ने कहा कि इस गंभीर संकट के समय भाषण में अपेक्षित स्पष्टता नहीं दी गई। उन्होंने जोर दिया कि स्थिति की गंभीरता को देखते हुए बहस होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि आपने खुद कहा कि कोरोना का दौरान जैसी स्थिति थी, वैसी फिर से लौट सकती है।

महिंद्रा फाइनैस व एनआईआईटी फाउंडेशन ने गिग वर्कर्स को किया जागरूक

दैनिक बुद्ध का संदेश



शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। मंगलवार को शोहरतगढ़ के खुनुवा बाईपास मार्ग स्थित एक निजी मैरेज हॉल में महिंद्रा एंड महिंद्रा फाइनैशियल सर्विसेज लिमिटेड एवं एनआईआईटी फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में गिग वर्कर्स के लिए डिजिटल एवं वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर पुष्प अर्पित कर तथा दीप

प्रज्ज्वलित कर किया गया। मुख्य अतिथि चेयरमैन प्रतिनिधि एवं समाजसेवी रवि अग्रवाल ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह की पहल से आमजन, खासकर मेहनतकश वर्ग, डिजिटल और वित्तीय रूप से अधिक सशक्त बनेंगे। उन्होंने प्रतिभागियों से ऐसे कार्यक्रमों का भरपूर लाभ उठाने की अपील की। एनआईआईटी फाउंडेशन के प्रोग्राम मैनेजर

कुलदीप कुमार ने वित्तीय एवं डिजिटल साक्षरता पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बचत की आदत विकसित करने, निवेश के जरिए धन वृद्धि, प्रभावी वित्तीय योजना, ऋण और बीमा की समझ, डिजिटल भुगतान तथा साइबर सुरक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि पहले ठगी के मामले फर्जी कॉल, ओटीपी और लिंक के माध्यम से होते थे, लेकिन अब वीडियो कॉल

और डिजिटल अरेस्ट जैसे नए तरीकों से भी लोग शिकार बनाए जा रहे हैं। ऐसे में सतर्क रहना बेहद जरूरी है। प्रशिक्षक राजकुमार गुप्ता, विनय कुमार तिवारी और मनीषा पटेल ने प्रतिभागियों को डिजिटल और अन्य सरकारी योजनाओं के उपयोग और महत्व की जानकारी दी। साथ ही खर्च और बचत के संतुलन, धन प्रबंधन की बुनियादी अवधारणाओं तथा सुरक्षित

डिजिटल लेनदेन को लेकर भी जागरूक किया गया। कार्यक्रम में 50 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, जिनमें किसान, पेंटर, ड्राइवर और ट्रैक्टर मालिक शामिल रहे। कार्यक्रम का संचालन जिला समन्वयक प्रीति सिंह ने किया। इस अवसर पर प्रतिभागियों को पर्सनल हाइजीन किट और प्रमाणपत्र भी वितरित किए गए। इसके अलावा सुनील, अवनीश प्रताप और अजय कश्यप ने डिजिटल खता बनाने की प्रक्रिया और सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने के तरीकों की जानकारी दी। कार्यक्रम को सफल बनाने में मो. अल्लाफ और गुलाम शादिक अली का भी विशेष योगदान रहा। इस दौरान सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

खड़ी गेहूं की फसल के बीच सड़क पटाई में लगी मिट्टी पर उठे सवाल, जांच के आदेश

दैनिक बुद्ध का संदेश

बढ़नी/सिद्धार्थनगर। ग्राम पंचायत खजुरिया शर्की में मिट्टी पटाई के कार्य को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। आरोप है कि जिस मार्ग पर लगभग एक किलोमीटर मिट्टी पटाई का कार्य दर्शाया गया है, वहां आज भी दोनों तरफ गेहूं की खड़ी फसल लहरा रही है। ऐसे में ग्रामीणों के बीच यह चर्चा है कि आखिर सड़क पटाई के लिए मिट्टी कहां से लाई गई। मिली जानकारी के अनुसार, ग्राम पंचायत खजुरिया शर्की निवासी मोहम्मद खालिद ने खंड विकास अधिकारी, बढ़नी को शिकायती पत्र देकर अवगत कराया कि उनके गांव में आरा मशीन से संसरी मार्ग होते हुए ग्राम पंचायत बैरीहवा की सरहद तक लगभग एक किलोमीटर मिट्टी पटाई

का कार्य दिखाया गया है। जबकि मौके की स्थिति इससे अलग

करने के बावजूद उन्होंने फोन नहीं उठाया। उनका कहना है



कि सचिव के मोबाइल पर घंटी जाती रही, लेकिन बात नहीं हो सकी। ग्रामीणों में यह भी चर्चा है कि संबंधित सचिव का नाम विकासखंड के चर्चित सचिवों में लिया जाता रहा है। आरोप है कि विगत वर्ष भी वह एक अन्य गांव में गड़बड़ी और कथित गबन के मामले में निलंबित किए गए थे। हालांकि बाद में उनकी बहाली किस प्रकार हुई, यह जांच और संबंधित अधिकारियों के स्तर पर ही स्पष्ट हो सकेगा। अब देखना यह होगा कि गठित जांच समिति कितनी शीघ्र जांच पूरी करती है और उसकी रिपोर्ट में क्या तथ्य सामने आते हैं। फिलहाल गांव में इस मामले को लेकर पंचायत सचिव को कई बार फोन

दिखाई दे रही है। शिकायत मिलते ही खंड विकास अधिकारी अनीष मणि त्रिपाठी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तीन सदस्यीय जांच समिति गठित कर जांच के आदेश दे दिए हैं। शिकायतकर्ता मोहम्मद खालिद ने यह भी आरोप लगाया है कि पंचायत सचिव को कई बार फोन

यह जांच और संबंधित अधिकारियों के स्तर पर ही स्पष्ट हो सकेगा। अब देखना यह होगा कि गठित जांच समिति कितनी शीघ्र जांच पूरी करती है और उसकी रिपोर्ट में क्या तथ्य सामने आते हैं। फिलहाल गांव में इस मामले को लेकर पंचायत सचिव को कई बार फोन

रक्तदान कर बचाई जान : सिद्धार्थ वेलफेयर सोसाइटी के सदस्यों ने पेश की मानवता की मिसाल

दैनिक बुद्ध का संदेश



सिद्धार्थनगर/शोहरतगढ़। तहसील क्षेत्र के बैरिहवा गांव निवासी एक मरीज इन दिनों लखनऊ स्थित टेंडर पाम हॉस्पिटल में भर्ती है। मरीज की हालत गंभीर होने के चलते उसे तत्काल एंजिनिटीव ब्लड की आवश्यकता थी, लेकिन परिजनों को काफी प्रयास के बावजूद रक्त की व्यवस्था नहीं हो पा रही थी। ऐसे में परिजनों ने सिद्धार्थ वेलफेयर सोसाइटी के सक्रिय सदस्य

जियाउरहमान मंसूरी से संपर्क किया। सूचना मिलते ही जियाउरहमान मंसूरी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए अपने साथियों और सोशल मीडिया के माध्यम से रक्तदाताओं की तलाश शुरू कर दी। मानवता का परिचय देते हुए जियाउरहमान मंसूरी स्वयं लखनऊ पहुंचकर टेंडर पाम हॉस्पिटल के ब्लड बैंक में एक यूनिट रक्तदान किया। उनके इस सराहनीय प्रयास में उनके

साथी अब्दुल वदूद ने भी सहयोग करते हुए एक यूनिट रक्तदान कर मरीज की जान बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। रक्तदान के बाद दोनों ने मरीज और उसके परिजनों को आगे भी हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया, जिससे परिजनों को बड़ी राहत मिली। इस नेक कार्य की सराहना करते हुए सिद्धार्थ वेलफेयर सोसाइटी के संस्थापक वकार मोइज़ खान ने कहा कि जियाउरहमान मंसूरी और अब्दुल वदूद ने निस्वार्थ भाव से रक्तदान कर मानवता और सामाजिक समरसता की उत्कृष्ट मिसाल पेश की है। उन्होंने कहा कि संस्था का उद्देश्य हमेशा जरूरतमंदों की मदद करना और समाज में आपसी भाईचारे व सौहार्द को बढ़ावा देना है। स्थानीय लोगों ने भी दोनों युवकों के इस कार्य की सराहना करते हुए इसे प्रेरणादायक बताया है।

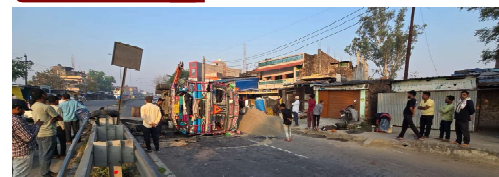
दैनिक बुद्ध का संदेश



सिद्धार्थनगर/डुमरियागंज। थाना क्षेत्र के अगया के समीप उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब श्रद्धालुओं से भरी एक बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गई। हादसे के वक्त बस में करीब 80 श्रद्धालु सवार थे, जो देवी दर्शन के लिए जा रहे थे। दुर्घटना में लगभग आधा दर्जन यात्री घायल हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार, श्रद्धालुओं से भरी बस टेगहवा गौरा चौकी क्षेत्र से बलरामपुर स्थित प्रसिद्ध शक्तिपीठ

तुलसीपुर देवीपाटन मंदिर के लिए रवाना हुई थी। यात्रा के दौरान जैसे ही बस अगया क्षेत्र के पास पहुंची, चालक अचानक नियंत्रण खो बैठा और बस पलट गई। बस पलटते ही यात्रियों में चीख-पुकार मच गई और मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। हादसे की आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण तुरंत मौके पर पहुंचे और राहत कार्य में जुट गए। स्थानीय लोगों ने बिना समय गंवाए बस में फंसे श्रद्धालुओं को बाहर

निकालना शुरू किया और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही डुमरियागंज पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों के सहयोग से सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। गनीमत रही कि हादसे में कोई बड़ी जनहानि नहीं हुई। घायलों को प्राथमिक उपचार दिया गया, जिनकी हालत अब सामान्य बताई जा रही है। प्रशासन ने तत्परता दिखाते हुए सभी यात्रियों के सुरक्षित घर वापसी की व्यवस्था कराई। घटना के बाद क्षेत्र में कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल रहा, लेकिन हालात जल्द ही सामान्य कर लिए गए। इस हादसे ने एक बार फिर सड़क सुरक्षा और वाहन संचालन में सावधानी बरतने की आवश्यकता को उजागर कर दिया है।



जोगिया। नौगढ़ बांसी नेशनल हाईवे पर मंगलवार की सुबह एक तेज रफ्तार ट्रक अनियंत्रित होकर ड्रिवाइडर से टकरा गया और पलट गया ट्रक में बालू लदा हुआ था अगला पिछला हिस्सा बुढ़ी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। गनीमत यह रही कि इस हादसे में ट्रक चालक पूरी तरह सुरक्षित है और उसे कोई गंभीर चोट नहीं आई है। सुबह का समय होने के कारण सड़क पर वाहनों की आवाजाही कम थी, जिससे एक बड़ा हादसा होने से टल गया। घटना की सूचना मिलते ही जोगिया थाना पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। क्योंकि दुर्घटना में किसी अन्य व्यक्ति अथवा एक दुकानदार का थोड़ा नुकसान हुआ है वही चालक ने बताया कि नींद आने की वजह से ऐसा घटना हुई है ऊपर वाले का शुक्र है की सब कुछ ठीक है वही स्थानीय लोगों ने बताया कि सुबह की सुबह की वजह से बड़ी घटना नहीं हुई नहीं तो एक बड़ा हादसा हो सकता था। मौजूद लोगों ने बताया कि अनिल कुमार जायसवाल, प्रताप चंद्र जायसवाल, नंदलाल जायसवाल राजेश वर्मा,गौरीशंकर प्रधान उदयपुर, मुकेश जायसवाल, और सहित बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए।

30 मार्च को लगेगी पेंशन अदालत, सेवानिवृत्त कर्मचारियों की समस्याओं का होगा समाधान

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। बस्ती मंडल के सेवानिवृत्त पेंशनरों की समस्याओं के समाधान के लिए 30 मार्च 2026 को पेंशन अदालत का आयोजन किया जाएगा। यह अदालत मंडलायुक्त, बस्ती की अध्यक्षता में मंडलायुक्त कार्यालय सभागार में अपराह्न 4 बजे आयोजित होगी। संयोजक पेंशन अदालत/अपर निदेशक कोषागार एवं पेंशन, बस्ती मंडल द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, इस पेंशन अदालत में वित्तीय वर्ष 2025-26 के अंतर्गत लंबित प्रकरणों का निस्तारण किया जाएगा। इस अदालत में बस्ती मंडल के सभी राजकीय कार्यालयों के सेवानिवृत्त समूह 'ख' तक के राजपत्रित अधिकारी, अन्य शासकीय सेवक एवं मृत शासकीय कर्मचारियों के आश्रित परिवार शामिल हो सकते हैं, जिन्हें पेंशन या सेवानिवृत्ति से जुड़े देयकों में किसी प्रकार की समस्या है। इच्छुक पेंशनर अपना प्रत्यावेदन निर्धारित प्रारूप पर अपर निदेशक, कोषागार एवं पेंशन कार्यालय बस्ती या मंडल के किसी भी कोषागार से प्राप्त कर सकते हैं। भरे हुए आवेदन पत्र को 28 मार्च 2026 तक संयोजक पेंशन अदालत, शास्त्री चौक स्थित कार्यालय में जमा करना अनिवार्य होगा। साथ ही, प्रत्यावेदन की एक प्रति संबंधित विभागाध्यक्ष/कार्यालयाध्यक्ष को भी भेजनी होगी, ताकि लंबित मामलों पर अनुपालन आख्या प्राप्त कर सुनवाई के दौरान प्रस्तुत किया जा सके। पेंशन अदालत में केवल राजकीय सेवकों के पेंशन, पारिवारिक पेंशन, उपदान, राशिकरण एवं अन्य सेवानिवृत्ति देयकों से संबंधित मामलों का ही निस्तारण किया जाएगा। नगर निगम, जिला परिषद, जल निगम आदि संस्थाओं से सेवानिवृत्त कर्मचारियों के मामलों पर इस अदालत में विचार नहीं किया जाएगा। इसके अलावा, 1 दिसंबर 2011 से पहले सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लंबित प्रकरण भी इस अदालत के दायरे में नहीं आएंगे, क्योंकि वे मंडलायुक्त गोरखपुर के अधिकार क्षेत्र में आते हैं। प्रशासन ने सभी पात्र पेंशनरों से निर्धारित समय सीमा के भीतर आवेदन कर अपनी समस्याओं के समाधान का लाभ उठाने की अपील की है।

कार्यकर्ताओं संग की समन्वय बैठक

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। प्रदेश के प्रभारी मंत्री अनिल राजभर ने मंगलवार को सिद्धार्थनगर का दौरा किया। विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होने के बाद उन्होंने भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक मौर्या की अध्यक्षता में पार्टी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं के साथ समन्वय बैठक की। बैठक में सरकार के 9 वर्षों की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने और आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर चर्चा की गई। साथ ही मंत्री ने कार्यकर्ताओं का हालचाल भी जाना और संगठन को मजबूत बनाने पर जोर दिया। इस दौरान पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष साधना चौधरी, महामंत्री मधुसूदन अग्रहरि, विपिन सिंह, विजयकांत, जिला मंत्री फतेहबहादुर सिंह, अजय उपाध्याय, पूर्व मंत्री अरविंद उपाध्याय, उपाध्यक्ष घनश्याम मिश्रा, मनोज कुमार मौर्य, आशीष शुक्ला, फूलचंद जायसवाल, रमेश मणि सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

नव निर्माण के 9 वर्ष पर भव्य कार्यक्रम, प्रभारी मंत्री ने गिनाई सरकार की उपलब्धियां

दैनिक बुद्ध का संदेश



सिद्धार्थनगर। उत्तर प्रदेश सरकार के "नव निर्माण के 9 वर्ष" पूर्ण होने के अवसर पर लोहिया कला भवन में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश के श्रम एवं सेवायोजन, समन्वय विभाग के प्रभारी मंत्री अनिल राजभर ने की। इस मौके पर कपिलवस्तु विधायक श्यामधनी राही, भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक मौर्या सहित कई जनप्रतिनिधि व अधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ

हुआ। जिलाधिकारी शिवशरणप्या जी एन ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया, जबकि अन्य अतिथियों का स्वागत भी पुष्पगुच्छ देकर किया गया। मुख्य अतिथि मंत्री अनिल राजभर ने अपने संबोधन में कहा कि केंद्र व प्रदेश सरकार के वर्षों के कार्यक्रमों के कार्यकाल में गरीब, किसान, महिला और युवाओं के लिए अनेक योजनाएं संचालित की गई हैं। उन्होंने बताया कि आयुष्मान योजना के तहत 5 लाख रुपये तक का मुफ्त

इलाज, किसानों को सम्मान निधि, महिलाओं को पेंशन व उज्ज्वला योजना जैसे सुविधाएं जनपद को मिली हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था मजबूत हुई है, बिजली आपूर्ति में सुधार हुआ है और ग्रामीण क्षेत्रों में 18 घंटे तथा शहरी क्षेत्रों में 24 घंटे बिजली दी जा रही है। साथ ही महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए रोजगार मेलों और पुलिस भर्ती में 30: आरक्षण जैसी पहल की गई है। विधायक श्यामधनी राही ने कहा कि प्रधानमंत्री

आवास योजना के तहत गरीबों को पक्का मकान मिला है और मेडिकल कॉलेज जैसी सुविधाएं जनपद को मिली हैं। जिससे स्थानीय लोगों के साथ-साथ नेपाल के नागरिक भी लाभान्वित हो रहे हैं। जिलाध्यक्ष दीपक मौर्या ने कहा कि मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास योजना के तहत युवाओं को रोजगार के अवसर दिए जा रहे हैं और जिले में शिक्षा, स्वास्थ्य व बुनियादी ढांचे में तेजी से विकास हुआ है। कार्यक्रम में सूचना एवं जनसंपर्क विभाग

द्वारा "नव निर्माण के 9 वर्ष" पुस्तिका का विमोचन किया गया। विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन भी अतिथियों ने किया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रचार-प्रसार किया गया। इस अवसर पर कई योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण-पत्र, चेक व अन्य सामग्री वितरित की गई। आयुष्मान कार्ड, प्रधानमंत्री आवास की चाबी, युवा उद्यमियों को ऋण, स्वयं सहायता समूहों को सहायता

राशि, दूल किट और दिव्यांगों को ट्राई साइकिल व उपकरण प्रदान किए गए। इसके अलावा टीबी मुक्त पंचायत अभियान के तहत 185 ग्राम पंचायतों के प्रधानों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में जिलाधिकारी शिवशरणप्या जी एन ने सभी अतिथियों व उपस्थित जनों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस दौरान जनपद स्तरीय अधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में लाभार्थी उपस्थित रहे।

सम्पादकीय

इंदौर की त्रासदी दर्शाती है कि शहरी बुनियादी ढांचे के खराब रखरखाव के कारण इस अधिकार का उल्लंघन कितनी आसानी से हो सकता है। निष्कर्ष यह भी है कि स्वच्छता ऐकिंग, स्मार्ट सिटी के दावे और शासन संबंधी नारे व्यवस्थागत नाकामी को छिपा नहीं सकते। इंदौर की घटना के बाद देश के सभी राज्यों में संबंधित विभागों व स्थानीय निकायों को पेयजल से जुड़ी व्यवस्था का ध्यान रखना...

यह शर्मनाक है कि जिस शहर को पिछले सात सालों से देश के सबसे स्वच्छ शहर का तमगा दिया जा रहा था, वहां पेयजल में सीवर का पानी मिल जाने से एक दर्जन से अधिक लोगों की मौत हो जाए। बताया जाता है कि इंदौर के भागीरथपुरा क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति करने वाली पाइपलाइन में सीवर के पानी के रिसाव से हजारों लोगों का जीवन खतरे में पड़ गया। घटनाक्रम के बाद सी के करीब लोग अस्पताल में मर्ती ह्म और सैकड़ों लोग दूषित पेयजल के उपयोग से बीमार हैं। उसने भी किसी सभ्य समाज में व्यक्ति आत्मलानि से यह सुनकर बीमार हो जाएगा कि जिस पानी को वे उसने उपयोग किया, उसमें सीवर का गंदा पानी मिला था। निस्संदेह, यह गंभीर प्रशासनिक लापरवाही ही है, जिसके चलते हजारों लोगों का जीवन संकट में पड़ गया। नगर निगम ही नहीं, इस महकमे से जुड़े सभी अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। दरअसल, इंदौर लगातार भारत के सबसे स्वच्छ शहर का दर्जा हासिल करता रहा है तो इस दुर्घटना ने पूरे प्रकरण को राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय मीडिया की सुर्खी बना दिया। इस दुर्घटा स्थिति के चलते मानवाधिकार आयोग और मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय को हस्तक्षेप करने के लिये बाध्य होना पड़ा। विडंबना यह है कि नागरिकों ने पहले ही दूषित पेयजल आपूर्ति की शिकायत की थी, लेकिन नागरिकों के स्वास्थ्य की रक्षा के लिये जवाबदेह अधिकारी तब हरकत में आए, जब कई लोगों की जान जा चुकी थी। यहां तक कि इस निर्वाचन क्षेत्र के प्रतिनिधि और राज्य के नगरीय विकास मंत्री, बिजनेस अधीन पेयजल आपूर्ति का महकमा आता है, उनकी संवेदनहीन बयानबाजी ने लोगों का आक्रोश बढ़ाया है। हालांकि, तत्त्व आलोचना के बाद मंत्री ने खेद जताया है। यहां तक कि इस घटना के बाद मध्यप्रदेश की मुख्यमंत्री रह चुकी वरिष्ठ भाजपा नेत्री उमा भारती ने भी दोषियों से प्रायश्चित्त करने व दंड देने की मांग की है। लेकिन सवाल यह है कि क्या कुछ छोटे स्तर के अधिकारियों के निलंबन और स्थानांतरण से इन मौतों के लिये जिम्मेदार लोगों का प्रायश्चित्त हो पाएगा?

लेकिन विडंबना है कि यह समस्या केवल इंदौर तक ही सीमित नहीं है, बल्कि देश के छोटे-बड़े शहरों में गाहे-बागाहे दूषित जल आपूर्ति के मामले में प्रकाश में आते रहे हैं। दुर्घटना के बाद जांच समितियों का गठन, मुआवजे की घोषणा और कनिष्ठ अधिकारियों का निलंबन मामले में लीपापोती का उपक्रम बन चुका है। नववर्ष की पूर्व संस्था पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'सुधार, क्रियान्वयन और रूपांतरण' के मंत्र पर जोर दिया था। तब उन्होंने प्रक्रियाओं को सरल बनाने और जीवनन्याय को सुगम बनाने के लिये प्रणालियों को अधिक अनुकूल बनाने की आवश्यकता पर भी बल दिया था। सवाल है कि जब नागरिकों को स्वच्छ हवा और जल जैसी बुनियादी आवश्यकताओं से वंचित रखा जाएगा तो जीवनन्यायन को सुगम कैसे बनाया जा सकता है? मध्य प्रदेश की दोहरे इंजन वाली सरकार इस मोर्चे पर पूरी तरह से विफल रही है। कोई भी बड़ी योजना व नारा तब तक अर्थहीन है जब तक उन्हें जमीनी स्तर पर ठोस कार्रवाई का समर्थन प्राप्त न हो। सर्वोच्च न्यायालय ने बार-बार इस बात पर जोर दिया है कि स्वच्छ पर्यावरण का अधिकार अनुच्छेद-21 के तरह जीवन के मौलिक अधिकार का हिस्सा है। इंदौर की त्रासदी दर्शाती है कि शहरी बुनियादी ढांचे के खराब रखरखाव के कारण इस अधिकार का उल्लंघन कितनी आसानी से हो सकता है। निष्कर्ष यह भी है कि स्वच्छता रैंकिंग, स्मार्ट सिटी के दावे और शासन संबंधी नारे व्यवस्थानत नाकामी को छिपा नहीं सकते। इंदौर की घटना के बाद देश के सभी राज्यों में संबंधित विभागों व स्थानीय निकायों को पेयजल से जुड़ी व्यवस्था का ध्यान रखना होगा कि कहीं पेयजल आपूर्ति लाइन जर्जर होकर दूषित पानी से तो नहीं मिल रही है। पेयजल आपूर्ति करने वाली मुख्य पाइप लाइनों का नियमित रूप से अवलोकन होना चाहिए। इस बाबत मंत्रालय और निकाय के अधिकारियों की जायाबदेही तब होनी चाहिए। ऐसे गंभीर मामलों में लापरवाही को सख्त सजा देने की भी प्रावधान होना चाहिए। यह मामला गैर इरादतन हत्या जैसा भी तो है।

प्रभु श्रीराम की मानवता चेतना की लोकानुभूति



मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम केवल एक ऐतिहासिक या धार्मिक व्यक्तित्व नहीं हैं बल्कि वे भारतीय मानस की उस सामूहिक चेतना का प्रतीक हैं, जहाँ मानवता अपने उच्चतम शिखर को छू रही है। उनकी लोकानुभूति अनंत का विस्तार है। प्रभु श्रीराम के चरित्र में मर्यादा और अनुशासन का समावेश है। श्रीराम का जीवन यह सिखाता है कि एक मनुष्य को रूप में कैसे लिया जाए। लोक-मानस में वे दसवि

रचे-बसे हैं क्योंकि उन्होंने कभी भी अपनी देवीय शक्तियों का सहारा लेकर मानवीय दुखों को कम नहीं किया, बल्कि एक साधारण मनुष्य की तरह संघर्ष किया, रोए और धीरज रखा। प्रभु श्रीराम के जीवन में समरसता और समावेशिता व्याप्त है। लोक-चेतना में राम की मानवता तब निखर कर आती है जब वे सामाजिक बंधनों को तोड़कर प्रेम को प्राथमिकता देते हैं। केवट प्रसंग को देखिए। एक नाविक को गले लगाना, उनके बड़प्पन को दिखलाता है। शबरी के जूटे बेर खाकर वे जाति और ऊंच-नीच के भेदभाव को जड़ से मिटाते हैं। समाज के वंचित और पिछड़े वर्ग को संगठित कर अधर्म के विरुद्ध खड़ा करना। राम राज्य का आदर्श लोकानुभूति में श्राम राज्यर एक ऐसे समाज की परिकल्पना है जहाँ धैहिक दैविक भौतिक तापा। राम राज नहिं काहुँहि ब्यापा। [८ अर्थ] जहाँ शारीरिक, दैवीय या भौतिक कष्ट किसी को न हो। यह शासन की वह मानवीय चेतना है जिसमें अंमोल व्यक्ति का सुख ही राजा का धर्म है। प्रभु श्रीराम में त्याग है। वे कर्तव्य परायण हैं। सिंहासन को एक क्षण में त्याग देना और पिता के वचन हेतु वन गमन करना, यह लोक को स्वार्थ से ऊपर उठाकर कर्तव्य पालन की प्रेरणा देता है। इसीलिए राम घर-घर के आदर्श पुत्र, आदर्श भाई और आदर्श राजा बने। श्रीराम की चेतना वास्तव में अश्वप दीपो भवश् (अपना प्रकाश स्वयं बनो) की मानवीय व्याख्या है। वे लोक में इसलिये जीवित हैं क्योंकि वे धर्म को कर्मकांड से निकालकर अशाचरण में ले आइए।

लेखक विनय कांत मिश्र/दैनिक बुद्ध का संदेश

दलबदल की सियासत और जनता की स्वामोशी

रोचक है कि कांग्रेस ने अपनी पहली सूची में प्रतीक को मार्गेरिटा सीट से उम्मीदवार नामित किया था। यहीं से उनके पिता चार विधायक चुने गए थे। खैर, मुकाबला दोनों के बीच है, लेकिन चेहरे 'कांग्रेसी' ही दिखेंगे। असम के चुनावी 'दलदल' के बीच जनता खामोश है। नेताओं की रैलियों में भीड़ तो जुट रही है, लेकिन यह वोटों में कितना तब्दील होगा, उसका अंदाजा अभी सिरासी पंडित नहीं लगा पा रहे हैं। असम विधानसभा...

असम की सियासत में एक रोचक नजारा इस वक्त है। सत्तारूढ़ भाजपा का मुकाबला करने के लिए कांग्रेस के कई चेहरे तो सामने हैं ही, भाजपा में भी अनेक चेहरे पुराने कांग्रेसियों के ही हैं। खुद मुख्यमंत्री सरमा पूर्व कांग्रेसी रहे हैं। चाय के बागान के लिए मशहूर असम में इन दिनों सियासी उबाल ज़ोरों पर है। चुनावी माहौल है। पाठियों का दौर है। इधर एक ने पार्टी छोड़ी, दूसरा लपकने को तैयार। एक दल से दूसरे में जाने की होड़ सी मची है। इस बार पूर्वोत्तर भारत के इस अहम राज्य असम का चुनाव कई मायनों में खास होगा। सीधे भाजपा और कांग्रेस के बीच है। भाजपा के 'फायर ब्रॉड' नेता और राज्य के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा के तीखे बोल चर्चा का विषय बनते हैं तो प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई भी निजी टिप्पणियों पर उतर आए हैं। असम के जानकार कहते हैं कि मुकबाला कड़ है, लेकिन कांग्रेस से छोड़कर जाने वाले नेताओं के कारण इस पार्टी के शीर्ष नेताओं को चिंता में डाल दिया है। तीसरी बार वापसी की कोशिश कर रही भाजपा के सामने सत्ता विरोधी लहर जैसी चुनौतियाँ हैं। हालांकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और अन्य वरिष्ठ भाजपा नेताओं के लगातार दौरों से हिमंता का हौसला बढ़ा है, इसके इतर कांग्रेस ने अपने स्थानीय नेताओं पर ज्यादा भरोसा किया है। यह अलग बात है कि कांग्रेस



महासचिव प्रियंका गांधी राज्य का दौरा कर चुकी हैं। कांग्रेस के सामने कई चुनौतियां हैं, लेकिन इनसे निपटने के लिए वह असम जातीय परिषद, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी



(माकपा) और ऑल पार्टी हिल लीडर्स कॉन्फ्रेंस (एपीएचएलसी) के साथ गठबन्धन करके भाजपा का मुकाबला करने की योजना बना रही है। कांग्रेस को अल्पसंख्यक मतदाताओं, विशेषकर बांग्ला भाषी मुसलमानों का समर्थन हासिल हो सकता है, क्योंकि हिमंता अवसर इनके खिलाफ बयानबाजी करते रहे हैं। यही कारण है कि गोगोई 2024 में सत्तारूढ़ भाजपा की तमाम कोशिशों के बावजूद जोरहाट लोकसभा सीट जीतने में कामयाब रहे। इसके विपरीत भाजपा नीत राजग में असम गण परिषद, यूनाइटेड पीपुल्स पार्टी लिबरल और ब्रोजेलैंड पीपुल्स पार्टी शामिल हैं। भाजपा केंद्रीय धन्यवास समिति ने सीएम हिमंता को जलुकबारी सीट से ही इस

बार फिर उम्मीदवार बनाया है। सरमा लगातार पांच बार यहां से जीते हैं और अब छठी बाराराज किस्मत आजमा रहे हैं। इसके साथ ही भाजपाका कर्मठ कार्यकर्ता सांसद हितेंद्र नाथ गोस्वामी को जोरहाट विधानसभा क्षेत्र से असम प्रदेश कांग्रेसक कर्मठ कार्यकर्ता अश्वथ गोस्वामी को खिलाफ मैदान में उतारा गया है। असम के प्रत्याशियों के नाम दिल्ली में भाजपा की केंद्रीय चुनाव समिति ने तय किए। पार्टी अध्यक्ष नितिन नशीन की अध्यक्षता में संसक्ति बैठक हुई। यहां उल्लेखनीय है कि इस बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अनित शाह, रक्षा मंत्री राजनथ सिंह भी मौजूद रहे। असम की श्यामसत

मैं एक रोचक नजारा इस वक्त है। सत्तारूढ़ भाजपा का मुकाबला करने के लिए कांग्रेस के चेहेरे तो सामने हैं ही, भाजपा में भी अनेक चेहरे पुराने कांग्रेसियों के ही हैं। खुद मुख्यमंत्री सरमा पूर्व कांग्रेसी रहे हैं। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी से खटपट के बीच उन्होंने पार्टी छोड़ी, भाजपा का दामन थामा और मुख्यमंत्री बन गये। अभी हाल ही में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष भूपेन बोरा और तीन अन्य विधायक सत्तारूढ़ दल में शामिल हो गए। बोरा राज्य में बड़ा नाम हैं और वह बड़े समुदाय का प्रतिनिधित्व करते हैं। कांग्रेस अभी इस झटके से उबर भी नहीं पाई थी कि उसके वरिष्ठ नेता एवं लोकसभा सदस्य प्रद्युत बोरेदोलोई भाजपा में शामिल हो गये। उन्होंने भाजपा में टिकट भी दे दिया। भाजपा में शामिल हुए असम कांग्रेस के पूर्व नेता प्रद्युत बोरेदोलोई और भूपेन बोरा को क्रमशः दिसपुर तथा बिहपुरिया

सीट से उतारा गया है। ये प्रत्यक्षा सी जितारु साबित हंगे या पुरानी पार्टी छोड़ने के कारण जनता उन्हें नकार देगी, यह तो आने वाला समय बताएगा। इसे सिपायी बिसात कहें या कुछ और कि बोरदोलोई के भाजपा में जाने से फिर टिकट पाने के बीच ही उनके बेटे प्रतीक ने घोषणा कर दी कि वह अपनी 'मूल' पार्टी कांग्रेस में तो बने रहेंगे, लेकिन मार्गरेटा सीट से कांग्रेस के टिकट पर चुनाव नहीं लड़ेंगे। उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष मलिकार्जुन खड्गे को इस संबंध में एक पत्र भी लिखा है। यहां गौरतलब है कि खड्गे पार्टी के केंद्रीय चुनाव समिति के अध्यक्ष भी हैं।

रोचक है कि कांग्रेस ने अपनी पहली सूची में प्रतीक को मार्गरेटा सीट से उम्मीदवार नामित किया था। यहीं से उनके पिता चार बार विधायक चुने गए थे। छैरे, मुकाबला दोनों के बीच है, लेकिन चेहरे 'कांग्रेसी' ही दिखेंगे। असम के चुनावी 'दलदल' के बीच जनता खामोश है। नेताओं की रैलियों में भीड़ तो जुट रही है, लेकिन यह वोटों में किन्ता तब्दील होगा, उसका अंदाजा अभी सियासी पंडित नहीं लगा पा रहे हैं। असम विधानसभा की 126 सीटें हैं। इनके लिए एक ही चरण में मतदान नौ अप्रैल को होंगे, जबकि मतगणना अन्य चार राज्यों की तरह चार मई को ही होगी। देखना होगा कि एकमात्र चरण में होने वाले कई महत्वपूर्ण वीजों के लिए मशहूर पूर्वोत्तर के इस अहम राज्य में आखिर सियासी उन्ट किस करवट बैठेगा।

इस घटनाक्रम में महान नेतृत्व भी पाया— हैरी एस. ट्रूमैन ने यूरोप के पुनर्निर्माण के लिए मार्शल प्लान लागू किया और द्वितीय विश्वयुद्धके बाद अमेरिका का नेतृत्व किया। ब्रिटेन के विंस्टन चर्चिल ने न केवल यु) के दौरान नेतृत्व किया, बल्कि युद्धोत्तर व्यवस्था के गठन में अहम भूमिका निभाई, जिसमें उनके द्वारा गढ़ा 'आयरन कर्टेन' विशेषण भी शामिल है। चार्ल्स डी गॉल ने पांचवें गणराज्य ...

इटली (‘धुरी की शक्तियाँ’) अपने विशाल संसाधन के बूते धीरे-धीरे शक्तिशाली राष्ट्रों के रूप में उभरे थे लेकिन इसके बावजूद उन्होंने यूरोप, उत्तरी अफ्रीका, प्रशांत द्वीपों और एशिया को जीतने का प्रयास किया। शक्तिशाली देशों को सदा प्रगति की जरूरत रहती है यथास्थिति कभी पर्याप्त नहीं रही। उन्हें और भूमि व संसाधन चाहिए होते हैं, तूफान के लिए और धन व गुलाम बानों को और अधिक स्त्री-पुरुष चाहिए होते हैं। इसी कारण द्वितीय विश्वयुद्ध छिड़

जरूरतें पूरी करने को कमजोर देशों की अर्थव्यवस्थाओं और संसाधनों को आपस में बांट लिया। रूस, जिसके पास असीम भूमि है, यूक्रेन को पाना चाहता है;जिससे उसने सावितयत संघ के घिघटन के साथ खो दिया था। यूक्रेन अपने मानव संसाधन, जमीन, परमाणु स्रोत और समुद्र तक पहुंच मार्ग के मामले में बहुत समृद्ध है, और रूस इसे पाना चाहता है। हमला करने का मौका तब मिला जब आशंका

फलीभूत हुई कि नाटो यूक्रेन के जरिए रूस बॉर्डर तक प्रभाव बढ़ाना चाहता है। नाटो को भी यूक्रेन में वैसा ही मौका दिखा और वह भी उसके संसाधनों को बांटना चाहता है, जिसमें अमेरिकी स्पष्ट रूप से युद्ध का हर्जाना मांग रहा है। तरीका व परिणाम वही पुराना, युद्ध का तांडव। वेनेजुएला, अपने विशाल तेल भंडारों के साथ, अमेरिका के लिए आसान शिकार है। क्यूबा और ग्रीनलैंड अब सूची में आगे क्रम में हैं। वहीं इस्राइल मध्य-पूर्व को मर्जी मुताबिक ढालना चाहता है, वहीं ईरान की अपनी योजना है। जैसे रूस ने यूक्रेन पर पूर्ण-हमला कर दिया था, वैसे ही अमेरिकी नाटो-इस्राइलियों ने ईरान को न्यूक्लियर बम और इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल निर्माण

से रोकने को उस पर
वार किया। तेल समृद्ध
खाड़ी देश सुरक्षा के लिए
अमेरिका पर निर्भर हैं और
इसलिए नुकसान झेल
रहे हैं, वैसे ही जैसे ईरान
की अल्पांशित युद्ध नीति
व प्रतिक्रिया के कारण
वैश्विक अर्थव्यवस्था
हानि झेल रही है। बोते
जमाने में, युद्ध थमने
के बाद संधियों और
संगठनों के जरिये आशा
की किरण जगी रु
बतौर लीग ऑफ नेशनस
के उपराधिकारी राष्ट्र
संघ की स्थापना

अंतर्राष्ट्रीय शांति व सुरक्षा यकीनी बनाए रखने के उद्देश्य से हुईय द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद यूरोप और जापान के पुनर्र्माण के मदद के लिए विश्व बैंक समूह (पूर्व में अंतर्राष्ट्रीय पुनर्र्माण व विकास बैंक) की स्थापना की गईय व्यापार में अडचनें कम करने को विश्व व्यापार संगठन (मूलतः जीपीटीटी, टैरिफ एवं व्यापार पर सामान्य संधि) बनायाय अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा प्रणाली की स्थिरता के लिए अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष बनाया गया विश्व स्वास्थ्य संगठन का उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय सार्वजनिक स्वास्थ्य का समन्वय थाय लंडी सूची में यूनिसेफ, यूनेस्को, आदि कई संगठन, संस्थान हैं, जिनके जरिये तत्कालीन नेतृत्व ने अतीत की गलतियां व भूलें सुधारने का प्रयास किया ।

सिद्धान्तगणक का सबसे बड़ा प्रिन्टींग पब्लिकेशन हाउस...

बुद्ध पब्लिकेशन

ऑफसेट एण्ड प्रिन्टर्स

The advertisement features a central collage of diverse printed items. On the left, there's a stack of white postcards with a grid pattern. Next to it are several colorful brochures or small booklets in shades of blue, orange, and green. In the center, a yellow folder holds more documents. To the right, there are larger booklets and a newspaper clipping. At the bottom left, a thick stack of books is visible. The background is a light blue gradient.

ॐ श्री.एस.टी. विल बुक/फार्म • कार्यालय रजिस्टर • स्कूल कार्य/फार्म/खसरी • फर्पलेट
• कलर पोस्टर्ड • कलर शीटिंग • कलर लेटर हेड • बैंक फार्म
निकट-दूरी एजेन्सी, नौगढ़ नगरकरपुर-सिद्धान्तनगर (उ.प्र.)

☎ 8795951917, 9453824459

* जेम्स रोड - www.buddhapublications.com
 B Block 1D - buddha@buddhapublications@gmail.com

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजनान्तर्गत जनपद मुख्यालय पर 135 जोड़ों का सामूहिक विवाह धार्मिक रीति रिवाज के अनुसार हुआ सम्पन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश



संत कबीर नगर। जिलाधिकारी आलोक कुमार के कुशल दिशा-निर्देशन में “मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह” योजनान्तर्गत जनपद मुख्यालय स्थित ओम रिजॉर्ट एंड मैरिज लॉन सियरा सांथा, धनघटा रोड, संत कबीर नगर के परिसर में 135 जोड़ों का विवाह धार्मिक रीति रिवाज के अनुसार सकुशल सम्पन्न कराया गया। सामूहिक विवाह में दाम्पत्य सूत्र में बधने वाले नवयुगलों को लैंगिक समानता की शपथ भी दिलाई गयी। इस सामूहिक विवाह कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष भाजपा नीतू सिंह , विधायक खलीलाबाद अंकुर राज तिवारी , विधायक धनघटा गणेश चंद्र चौहान , ब्लॉक प्रमुख हैंसर कालिंदी चौहान व मुख्य विकास अधिकारी जयकेश त्रिपाठी सहित सभी सम्मानित अतिथियों ने नवदम्पतियों को अशीर्वाद देते हुए सुखद वैवाहिक जीवन की मंगल कामना की। जिलाध्यक्ष भाजपा नीतू सिंह ने सामूहिक विवाह कार्यक्रम समारोह में पधारे सभी जनप्रतिनिधिगणों सहित सभी वर पक्ष, वधू पक्ष एवं उनके संबंधियों का हार्दिक

स्वागत करते हुए विवाह सूत्र में बधने वाले सभी नवयुगलों को उनके सफल वैवाहिक जीवन का आशीर्वाचन दिया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना का मुख्य उद्देश्य ऐसे गरीब परिवारों के लड़के-लड़कियों की शादी करवाना है जो शादी का खर्च स्वयं नहीं उठा सकते। उन्होंने बताया कि यह योजना मुख्यमंत्री द्वारा गरीब लड़कियों की शादी के लिये सबसे अच्छी पहल है और अब कोई भी गरीब परिवार अपने लड़की की शादी को लेकर खुद पर बोझ नहीं महसूस करेगा, क्योंकि इसमें शादी का पूरा खर्चा प्रदेश सरकार उठाती है। विधायक खलीलाबाद अंकुर राज तिवारी ने मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजनान्तर्गत आयोजित सामूहिक विवाह कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधिगण, प्रशासनिक अधिकारीगण, मीडिया बन्धु सहित सामूहिक विवाह कार्यक्रम में उपस्थित सभी विकास अधिकारी जयकेश त्रिपाठी सहित सभी वर पक्ष, वधू पक्ष एवं उनके संबंधियों का हार्दिक

स्वयं नहीं उठा सकते। उन्होंने देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में देश व प्रदेश के चौमुखी विकास की सराहना करते हुए कहा कि हमारा देश हर क्षेत्र में तरक्की कर रहा है और नागरिकों को समस्त जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ बिना किसी बिचौलियों के माध्यम से सीधा लाभार्थी तक पहुँच रहा है। ब्लॉक प्रमुख हैंसर कालिंदी चौहान ने मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजनान्तर्गत आयोजित सामूहिक विवाह कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधिगणों का आभार व्यक्त किया तथा नवदम्पतियों को आशीर्वाद एवं उनके सुखद दाम्पत्य जीवन की शुभकामनाएं देते हुये कहा कि सरकार विभिन्न योजनाओं के माध्यम से जरूरतमंदों का जीवन स्तर बेहतर बनाने के लिये निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना का मुख्य उद्देश्य ऐसे गरीब परिवारों के लड़के-लड़कियों की शादी करवाना है जो शादी का खर्च

45 वर्षीय युवक का शव मिलने से हड़कंप,हत्या की आशंका

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। बलरामपुर जिले के थाना ललिया अंतर्गत बजरडीह गांव से एक अत्यंत हृदयविदारक खबर सामने आई है। यहाँ के निवासी एक



45 वर्षीय युवक का शव सोमवार रात गेहूं के खेत में अत्यंत झुलसी हुई अवस्था में बरामद हुआ। परिजनों के अनुसार, युवक सुबह 9 बजे

घास काटने के लिए घर से निकला था, लेकिन वापस न लौटने पर खोजबीन के दौरान रात 10 बजे खेत में बिजली के तारों के संपर्क में आने से उसकी मृत्यु की सूचना मिली। इस घटना ने क्षेत्र में मातम और दहशत का माहौल पैदा कर दिया है। जहाँ एक ओर इसे हादसा माना जा रहा है, वहीं दूसरी ओर शोकाकुल परिजनों ने जमीनी विवाद के चलते हत्या की गंभीर आशंका जताई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने मौके पर पहुँचकर साक्ष्य जुटाए हैं और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हम निष्पक्ष जांच और पीड़ित परिवार के लिए न्याय की कामना करते हैं।

गैस उपभोक्ताओं को बड़ी राहत, बुकिंग अवधि में हुआ बदलाव

दैनिक बुद्ध का संदेश

पयागपुर/बहराइच। जनपद में गैस उपभोक्ताओं के लिए राहत भरी खबर सामने आई है। अब सामान्य गैस कनेक्शन धारकों को सिलेंडर बुक कराने के लिए लंबा इंतजार नहीं करना पड़ेगा।



नई व्यवस्था के तहत सामान्य कनेक्शन पर अब मात्र 25 दिन बाद ही गैस बुकिंग की सुविधा उपलब्ध हो जाएगी। वहीं, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के अंतर्गत आने वाले उपभोक्ताओं के लिए यह अवधि 45 दिन निर्धारित की गई है। इस निर्णय से हज़ारों उपभोक्ताओं को सीधा लाभ मिलने की उम्मीद है, जो पहले अधिक समय तक इंतजार करने को मजबूर थे। विकास गैस एजेंसी पयागपुर के प्रोप्राइटर महिपाल सिंह से मिली जानकारी के अनुसार जिन उपभोक्ताओं के 25 दिन पूरे हो चुके हैं, वे तुरंत अपनी गैस बुकिंग करा सकते हैं और समय पर सिलेंडर प्राप्त कर सकते हैं। इससे घरेलू कामकाज में आने वाली परेशानियों में भी कमी आएगी। उपभोक्ताओं से अपील की गई है कि वे निर्धारित समय सीमा के अनुसार ही बुकिंग कराएं, जिससे सभी को समय पर गैस उपलब्ध कराई जा सके।

संयुक्त पेंशनर्स कल्याण समिति का 25 मार्च को धरना प्रदर्शन

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। जनपद में संयुक्त पेंशनर्स कल्याण समिति ने केंद्र



सरकार द्वारा पेंशनरों की उपेक्षा किए जाने के विरोध में बैठक करके संयुक्त पेंशनर्स कल्याण समिति द्वारा 25 मार्च 2025 को जिला पंचायत के बगल स्थित टीन

शेड में धरना-प्रदर्शन आयोजित किए जाने का पर चर्चा की है। इस कार्यक्रम के माध्यम से पेंशनरों की विभिन्न लंबित मांगों को लेकर सरकार का ध्यान आकर्षित किया जाएगा। समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि धरना प्रदर्शन के दौरान केंद्र सरकार से पुरानी पेंशन योजना को बहाल करने की मांग प्रमुख रूप से विलिडेशन एक्ट 2025 को समाप्त कर इसके साथ ही पेंशनभोगियों के पेंशन पुनरीक्षण (रिवीजन) के मुद्दे को भी शामिल किया जाएगा, ताकि उन्हें समयानुसार आर्थिक राहत मिल सके। धरने में बुजुर्ग पुरुष एवं महिला पेंशनरों तथा पारिवारिक पेंशनरों के लिए सुलभ और सुविधाजनक चिकित्सा व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की जाएगी। साथ ही, पेंशन के समानीकरण (इक्वालाइजेशन) में 15 वर्षों तक की जा रही जबरन वसूली को समाप्त कर इसे 11 वर्ष तक सीमित करने की बात भी रखी जाएगी। समिति द्वारा संसदीय समिति की संस्तुतियों के अनुरूप 65, 70 और 75 वर्ष की आयु पूर्ण करने पर अतिरिक्त पेंशन देने की मांग भी प्रमुखता से उठाई जाएगी। इसके अतिरिक्त वरिष्ठ नागरिकों को रेल एवं हवाई यात्रा में 50 प्रतिशत किराया छूट बहाल करने की भी मांग की जाएगी। पेंशनर्स कल्याण समिति ने आयुष्मान योजना के अंतर्गत चिकित्सा सुविधा की सीमा को बढ़ाकर 10 लाख रुपये किए जाने तथा स्थायी परिसर भत्ता को न्यूनतम पारिवारिक पेंशन के बराबर करने की भी मांग रखी है। समिति ने सभी पेंशनरों से अधिक से अधिक संख्या में धरना-प्रदर्शन में शामिल होकर अपनी एकजुटता दिखाने की अपील की है, ताकि उनकी समस्याओं का समाधान शीघ्र हो सके।

पद वितरण को लेकर संगठन में उभरा असंतोष, वरिष्ठ कार्यकर्ता ने उठाए सवाल

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। जिले में पार्टी के भीतर पद वितरण को लेकर असंतोष अब खुलकर सामने आने लगा है। लंबे समय से सक्रिय वरिष्ठ कार्यकर्ता धनलाल पाण्डेय ने जिला अध्यक्ष को पत्र लिखकर अपनी नाराजगी जाहिर की है। कार्यसमिति में शामिल न किए जाने पर उन्होंने गंभीर सवाल खड़े किए हैं। धनलाल पाण्डेय ने कहा कि वह वर्षों से पार्टी के समर्पित सदस्य रहे हैं, इसके बावजूद उन्हें नजरअंदाज कर दिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि जिन लोगों का पार्टी में कोई विशेष योगदान नहीं रहा, उन्हें

ऐसा नहीं किया गया, तो यह माना जाएगा कि पार्टी में मेहनत के बजाय “गणेश परिक्रमा” ही पद पाने का आधार बन गया है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि जब कई लोग अन्य दलों के लिए कार्य कर रहे थे, तब वह प्रवासी कार्यकर्ता के रूप में गांव-गांव जाकर संगठन को मजबूत करने में लगे हुए थे। करीब 40 वर्षों से पार्टी से जुड़े इस वरिष्ठ कार्यकर्ता की नाराजगी ने संगठन के अंदर चल रही खींचतान को उजागर कर दिया है और पद वितरण की प्रक्रिया पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

डॉ. निशांत पांडेय की किताब ने रचा इतिहास

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। लखनऊ चारबाग रबिंद्रालय परिसर में आयोजित लखनऊ पुस्तक मेले में इस बार नये लेखकों



के लिए सुनहरा अवसर रहा है। बलरामपुर के डॉ. निशांत पांडेय ने एआई जैसे जटिल विषय को हर किसी के लिए सुलभ बनाने की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम उठाया है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर केंद्रित उनकी किताब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इन वैरियस फील्ड्स, फ्यूचर आफ एआई एंड रोबोटिक्स इस समय बौद्धिक समाज में न केवल व्यावहारिक अंतर्दृष्टि के लिए चर्चा में है, बल्कि इसने तीन

अलग-अलग श्रेणियों में शीर्ष स्थान हासिल कर इंडटरनेशनल बेस्टसेलर होने का गौरव भी प्राप्त किया है। —ष्टिकोण है। जहाँ एक ओर डॉ. पांडेय एआई के सुनहरे अवसरों पर प्रकाश डालते हैं, वहीं दूसरी ओर वे नैतिक जिम्मेदारियों और सामाजिक कल्याण के लिए तकनीक के उपयोग पर भी जोर देते हैं। उनकी इस वैश्विक सफलता पर उन्हें इंडटरनेशनल बेस्टसेलर ऑथरर बनाने के लिए ढेरों बधाइयाँ मिल रही हैं। उल्लेखनीय है कि डॉ. पांडेय को समाज सेवा और सामुदायिक विकास में उनके सराहनीय कार्यों के लिए इंडटरनेशनल आइकन अवार्ड 2025 से भी सम्मानित किया जा चुका है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मिली यह नई कामयाबी यह साबित करती है कि जब तकनीक को उद्देश्य के साथ जोड़ा जाता है, तो वह सामाजिक परिवर्तन का एक शक्तिशाली माध्यम बन जाती है। यह किताब आज के युवाओं, छात्रों और तकनीक प्रेमियों के लिए न केवल एक मार्गदर्शक है, बल्कि एक बड़ी प्रेरणा भी है।

बहराइच: शहीदों की याद में जुटे युवा, श्रद्धांजलि सभा में गूंजा देशभक्तिका सदेश

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। गांधी शहीद पार्क में शहीद-ए-आज़म भगत सिंह, राजगुरु एवं सुखदेव के शहादत दिवस के अवसर पर भव्य श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन “नौजवान सभा, बहराइच” द्वारा किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में युवाओं ने भाग लेकर शहीदों को नमन किया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य शहीदों के आदर्शों को याद करना और युवाओं में एकता व राष्ट्रसेवा की भावना को मजबूत करना रहा। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में ब्लॉक प्रमुख शिवम जायसवाल मौजूद



के छात्र नेता नीरव प्रताप सिंह, जसवीर सिंह एवं शुभम (प्रचारक काशी) मंच पर

रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में लखनऊ विश्वविद्यालय के प्राचार्य समेत सैकड़ों युवाओं उपस्थित रहे। गांधी विद्यालय छात्रावास के छात्रों ने भी सक्रिय सहभागिता निभाई। कार्यक्रम का संचालन नौशाद सिद्दीकी एवं आनंद जायसवाल ने संयुक्त रूप से किया। नौजवान सभा के अध्यक्ष देवेन्द्र पाल सिंह ने अपने संबोधन में युवाओं से आपसी मतभेद भुलाकर एकजुट रहने का आह्वान किया। वहीं मुख्य अतिथि शिवम जायसवाल ने कहा कि छोटी-छोटी सामाजिक गतिविधियां भी राष्ट्रसेवा का ही रूप हैं। उन्होंने युवाओं से पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता देने की अपील की। विशिष्ट अतिथि नीरव



एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी के निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक मुकेश चंद्र उत्तम के पर्यवेक्षण में यह अभियान जनपद भर में प्रभावी रूप से संचालित हो रहा है। अभियान के तहत थाना कोतवाली भिनगा, सिरसिया, मल्हीपुर, हरदत्तनगर गिरंट, सोनवा, गिलौला, इकौना, महिला थाना सहित शक्ति मोबाइल टीम द्वारा विद्यालयों,

गांवों, कस्बों एवं सार्वजनिक स्थलों पर चौपाल आयोजित कर महिलाओं और बालिकाओं

को उनके अधिकारों एवं सुरक्षा उपायों के प्रति जागरूक किया गया। इस दौरान पुलिस टीम ने “शक्ति दीदी” के रूप में संवाद स्थापित कर महिलाओं को निडर हो कर अपनी समस्याएं साझा करने के लिए प्रेरित किया। साथ ही साइबर अपराधों जैसे ऑनलाइन ठगी, फर्जी कॉल, संदिग्ध लिंक एवं सोशल मीडिया फ्रॉड से बचाव के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। महिलाओं को ओटीपी साझा न करने, मजबूत पासवर्ड का प्रयोग करने तथा साइबर अपराध की स्थिति

प्रताप सिंह के ओजस्वी भाषण ने युवाओं में जोश और ऊर्जा का संचार किया। उनके शब्दों ने उपस्थित लोगों को राष्ट्रहित में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान नृपेंद्र सिंह कलहंस, पूर्णेश्वर गुप्ता, शुभम, हर्ष गुप्ता, मीडिया प्रभारी अंकित मिश्रा, रणवीर चौधरी, साहिल, विक्रम सिंह, उत्तम सिंह एवं अनिल यादव सहित कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने मोमबतियां जलाकर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की, जिसके साथ सभा का समापन हुआ।

अजय देवगन भूतों की दुनिया से कराएंगे रूबरू, अगली फिल्म पर आया ये अपडेट

अजय देवगन ने एक बार फिर हॉरर जॉनर की तरफ वापसी करने की योजना बनाई है। एक ओर, जहां उनकी आगामी फिल्मों दृश्यम 3 और गोलमाल 5 का लोग बेसब्री से इंतजार कर रहे



हैं। इसी दौरान उनकी नई फिल्मों ने फैंस को उत्साहित कर दिया है, क्योंकि अभिनेता फिर से भूतों की दुनिया में लौटेंगे। यह परियोजना इसलिए बेहद खास होगी क्योंकि फिल्म भूत (2003) और काल (2005) के बाद, अजय को दोबारा हॉरर फिल्म में देखा जाएगा।
के मुताबिक, अभिनेता ने हॉरर फिल्म के लिए सरदारजी फ्रैंचाइजी के निर्देशक रोहित जुगराज के साथ हाथ मिलाया है। कुमार मंगत द्वारा निर्मित इसे एक हाई कॉन्सेप्ट के रूप में तैयार किया जा रहा है। परियोजना से जुड़े सूत्र ने कहा, कहानी में माहौल बनाने पर जोर दिया गया है, जो इसे पारंपरिक हॉरर फिल्मों से अलग करता है। फिल्म की शूटिंग बड़े पैमाने पर लंदन में होगी और निर्माता वर्तमान में प्री-प्रोडक्शन के चरणों में लगे हुए हैं।
रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि फिल्म के लिए कास्टिंग की तैयारी जारों पर है। अजय और फिल्म निर्माता दमदार स्क्रीन प्रेजेंस को और निखारने के लिए कलाकारों की एक बेहतरीन टीम की तलाश कर रहे हैं। हालांकि, सहायक कलाकारों को लेकर जानकारी अभी गुप्त रखी गई है। बिना शीर्षक वाली इस फिल्म की शूटिंग जुलाई, 2026 से शुरू होगी और यह आने वाले साल में सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्म परियोजनाओं में से एक बनने जा रही है।

धुरंधर 2 के आगे उस्ताद भगत सिंह का हुआ बंटवारा, चार दिनों में बजट भी नहीं वसूल पाई फिल्म



मुकाबले, इसने अब तक 60.80 करोड़ की नेट कमाई की है, यानी बजट का सिर्फ 59.46 प्रतिशत ही वसूल कर पाई. यानी 4 दिन का लंबा ओपनिंग वीकेंड भी फिल्म को खास फायदा नहीं पहुंचा पाया है. हफ्ते के बाकी दिनों में, उस्ताद भगत सिंह को ठीक-ठाक कमाई करने में काफी मशक्कत करनी पड़ेगी, और उम्मीद है कि तेलुगू मार्केट में धुरंधर 2 इसकी कमाई को पीछे छोड़ देगी. कुल मिलाकर, फिल्म के लिए 100 करोड़ नेट का आंकड़ा छूना एक बड़ी चुनौती लग रही है, जो पवन कल्याण के लिए एक बड़ी असफलता का संकेत है. तो, ओजी के खराब परफॉर्म करने के बाद, टॉलीवुड के इस सुपरस्टार के लिए यह एक और झटका होगा. यह फिल्म थेरी का रोमेक है, जिसमें ओरिजनली विजय ने मुख्य भूमिका निभाई थी और जिसका निर्देशन एटली ने किया था. हरीश शंकर द्वारा निर्देशित उस्ताद भगत सिंह में पवन कल्याण के अलावा श्रीलीला, राशि खन्ना और आर. पार्थिवन ने अहम रोल प्ले किया है.

गर्मी से बचे रहने के लिए गद्दे को इन तरीकों से रखें ठंडा, आगूनी अच्छी नींद



गर्मियों में गद्दे भी गर्म हो जाते हैं, जिस वजह से अच्छी नींद नहीं मिल पाती है। जब गद्दा गर्म होता है तो सोते समय पसीना आना और अखुविधा होना आम बात है। यह परेशानी खासकर उत्तर भारत में देखने को मिलती है, जहां गर्मी की लहर काफी तेज होती है। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे असरदार तरीके बताएंगे, जिन्हें अपनाकर आप अपने गद्दे को ठंडा रख सकते हैं और गर्मियों में आरामदायक नींद ले सकते हैं।

ठंडा करने वाले पैड का करें इस्तेमाल
ठंडा करने वाले पैड गद्दे को ठंडा रखने का बेहतरीन तरीका है। ये पैड खासतौर पर गर्मियों के लिए बने होते हैं और इनमें ऐसी तकनीक होती है, जो शरीर की गर्मी को सोखती है। इन्हें अपने गद्दे पर बिछाकर आप आसानी से आरामदायक नींद ले सकते हैं। इन्हें साफ करना भी आसान होता है और ये लंबे समय तक टिके रहते हैं। ठंडा करने वाले पैड का उपयोग करके आप गर्मियों में भी सुकून की नींद ले सकते हैं।
सूती चादर का करें उपयोग: गर्मियों में सूती चादर का उपयोग करना बहुत फायदेमंद होता है। सूती कपड़ा त्वचा को सांस लेने देता है और पसीना सोख लेता है, जिससे आप ठंडा महसूस करते हैं। हमेशा अपने गद्दे पर सूती चादर बिछाएं, ताकि सोते समय आपकी त्वचा को हवा मिलती रहे और आप पसीने से बच सकें। सूती चादर न केवल आरामदायक होती है, बल्कि इन्हें धोना भी आसान होता है और ये लंबे समय तक नई जैसी रहती हैं।
एसी लगावाएं: अगर आपके पास ठंडी हवा देने वाला यंत्र यानि एसी है तो उसका सही तरीके से इस्तेमाल करें। दिन में जब धूप तेज होती है तो पर्दे बंद रखें, ताकि कमरे में गर्मी न आए। रात को सोते समय एसी चालू रखें और कमरे की हवा को ताजा रखने के लिए खिड़की खोलें। इसके अलावा नियमित रूप से अपने यंत्र की सफाई करें, ताकि वे सही तरीके से काम करें और ज्यादा बिजली न खपत करें।
गद्दे को धूप में रखें: गद्दे को धूप में रखना एक पुराना, लेकिन असरदार तरीका है। हफ्ते में कम से कम एक बार अपने गद्दे को धूप दिखाएं, ताकि उसमें से नमी और बैक्टीरिया दूर हो सकें। धूप में रखने से गद्दा ताजगी महसूस कराता है और उसकी बदबू भी दूर हो जाती है। इसके अलावा धूप में रखने से गद्दे की उम्र भी बढ़ती है और वह लंबे समय तक अच्छा बना रहता है। यह तरीका बहुत ही सरल और प्रभावी है।
गद्दे को पलटते रहें
गद्दे को समय-समय पर पलटते रहना जरूरी होता है, ताकि उसका आकार सही बना रहे और वह आरामदायक बना रहे। अगर एक ही तरफ सोते रहेंगे तो उस तरफ का हिस्सा दब जाएगा और बाकी हिस्सा नया रहेगा। इसलिए, हर महीने कम से कम एक बार गद्दे को पलटना चाहिए। इन तरीकों को अपनाकर आप अपने गद्दे को गर्मियों में ठंडा रख सकते हैं और आरामदायक नींद ले सकते हैं।